पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सृजन 3.0 का शुभारंभ

अमन संवाद/भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में सृजन 3.0 का आयोजन किया गया। साहित्य मंडली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। आकाशवाणी भोपाल में कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट एवं मुख्य अतिथि लेखक फिल्म समीक्षक पत्रकार एवं लेखक अजीत राय मुख्य वक्ता के रुप में विशेष रुप से उपस्थित थे। कुलगुरु श्री तिवारी ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित साहित्य के आयोजन की प्रशंसा करते हुए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुस्तकों के अध्ययन से जीवन बदल जाता है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने विषय की पुस्तकों के साथ-साथ साहित्य की पुस्तकों का भी अध्ययन करना चाहिए। कुलगुरु ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी मौलिकता बचाकर रखें। मुख्य अतिथि राजेश भट्ट ने कहा कि शब्दों और लेखनी के के माध्यम से आप कहीं भी पहुंच सकते हैं। मुख्य वक्ता अजीत राय ने विद्यार्थियों से कहा कि नए समय को समझना होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शब्दों के लिए समझौते नहीं करने वाले अमर होते हैं। श्री राय ने कहा कि समाजीकरण में भारतीय सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है। कार्यक्रम के अगले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, प्रो. दिवाकर शुक्ल एवं स्वदेश ज्योति के सलाहकार संपादक प्रो. शिवकुमार विवेक मौजूद रहे, जिन्होंने साहित्य और पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न पहलुओं को दर्शाने की कोशिश की। रामचरित मानस की प्रासंगिता पर मानस भवन के अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने गहराइयों से अपने विचारों को रखते हुए विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। संचालन अभिलाषा सुमन ने किया। पत्रकारिता विश्वविद्यालय में साहित्य मंडली द्वारा पुस्तकों पर पर चर्चा की गई। इस विशेष सत्र में भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ल मुख्य ने मुख्य व के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। संचालन कार्तिकेय पांडे ने किया।अगले सत्र में साहित्य और शक्ति विषय पर विशेष परिचर्चा में डीन अकादमिक डॉ. पी. शशिकला, पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी और सप्तवर्णी कला- साहित्य सृजन शोधपीठ की निदेशक डॉ. विनय षड़ंगी राजाराम ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि नारी को किसी परिभाषा में समेटने की कोशिश ही उसकी स्वतंत्रता के खिलाफ है। साहित्य तभी शक्तिशाली बनता है जब वह नारी की अपनी आवाज़ को अभिव्यक्त करने का माध्यम बनता है। कार्यक्रम के सबसे अंतिम पड़ाव में कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता कवि मुदित श्रीवास्तव ने कविता और रचनात्मकता को लेकर चर्चा की और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को भी काव्य लिखने के लिए प्रेरित किया। शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी, विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

माखनलाल विवि में दो दिवसीय साहित्य उत्सव का सफल समापन

साहित्य, संचार और संस्कृति का दिखा संगम

जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के साहित्य मंडली द्वारा आयोजित दो दिवसीय साहित्य उत्सव 'सृजन' के दूसरे दिन विश्वविद्यालय परिसर में साहित्य, संचार और संस्कृति का जीवंत समागम देखने को मिला। दिनभर चले विविध सत्रों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों और दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। शुरुआत पटियाबाजी कहानियां और भोपाल सत्र से हुई, इसमें मूर्तिकार एवं लेखक जयंत गौर और वरिष्ठ संपादक अजय बोकिल ने भोपाल की सांस्कृतिक धरोहर और साहित्यिक आत्मा को कहानी और अनुभवों के माध्यम से जीवंत किया। उन्होंने राजधानी के पुराने मोहल्लों, चौक-चौराहों और समृद्ध साहित्यिक विरासत से जुड़े रोचक अनुभव साझा किए। इसके बाद बच्चों की दुनिया विषय पर केंद्रित सत्र में बाल साहित्यकार डॉ. विकास दवे, संजीव दुबे और डॉ. लाल बहादुर ओझा ने बच्चों के लिए लेखन की दिशा, चुनौतियां और ज़रूरतों पर चर्चा की। संचार के नए माध्यम और भाषा विषय पर आयोजित सत्र में मीडिया शिक्षाविद प्रो. गिरीश उपाध्याय, पत्रकार ब्रजेश राजपूत और लेखक विनय उपाध्याय ने डिजिटल युग में भाषा की भूमिका और एआइ जैसी तकनीकों के प्रभाव पर अपने विचार रखे। आधुनिक साहित्यकार और नई हिन्दी सत्र में लेखिका विशाखा राजुरकर और लेखक संदीप द्विवेदी ने समकालीन लेखन के रुझानों और साहित्य में हो रहे बदलावों पर संवाद किया। उन्होंने युवाओं को पढ़ने और लिखने की आदत विकसित करने के लिए मोटिवेट किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ख्यात तबला वादक उमाशंकर तिवारी की प्रस्तुति ने सभागार को तालों की सुरलहरी से बांध लिया। इसके अलावा बुक रीडिंग और साइनिंग सेशन में लेखक जनक भट्ट ने अपनी पुस्तक का पाठ कर पाठकों से संवाद किया। कार्यक्रम के आखिरी सत्र कवि सम्मेलन में भोपाल और दिल्ली से आए कवियों, शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

उत्सव

पत्रकारिता विवि में साहित्य उत्सव सृजन-3 का आयोजन

आपका जीवन बदल सकते हैं 'शब्द और लेखनी'

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा गठित साहित्य मंडली द्वारा विवि के सभागार में साहित्य उत्सव सृजन-3 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में साहित्य, पत्रकारिता, पुस्तक चर्चा जैसे सत्र आयोजित किये गये।

शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य अतिथि आकाशवाणी भोपाल में कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट थे एवं मुख्य वक्तव्य फिल्म समीक्षक अजीत राय ने दिया। कुलगुरु तिवारी ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित साहित्य के आयोजन की प्रशंसा करते हुए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि राजेश भट्ट ने कहा कि शब्दों और लेखनी के माध्यम से आप कहीं भी पहुंच सकते हैं। मुख्य वक्ता अजीत राय ने विद्यार्थियों से कहा कि नए समय को समझना होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शब्दों के लिए समझौते नहीं करने वाले अमर होते हैं। अगले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, प्रो. दिवाकर शुक्ल एवं स्वदेश ज्योति के सलाहकार संपादक प्रो. शिवकुमार विवेक ने साहित्य और पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न पहलुओं को दर्शाने की कोशिश की। रामचरित मानस की प्रासंगिकता पर मानस भवन के अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोवरे ने विचार रखे। संचालन अभिलाषा सुमन ने किया।

फिल्म प्रदर्शनी सिनेब्रेशन 2 आज से

विवि के सिनेमा एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा 24 और 25 अप्रैल को सिनेब्रेशन 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय आयोजन विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में होगा, जिसमें फिल्म प्रदर्शनियों के साथ-साथ फिल्मों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। 2024 में शुरू हुए इस आयोजन का यह दूसरा वर्ष है, जो छात्रों की रचनात्मकता और तकनीकी कौशल को प्रदर्शित करने का एक अनूठा मंच प्रदान करता है। सिनेब्रेशन 2 के पोस्टर का विमोचन प्रख्यात बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने किया था।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सृजन 3.0 का भव्य शुभारंभ, साहित्य और सिनेमा पर हुआ गहन मंथन

भोपाल। आज तक 24

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में सृजन 3.0 का आयोजन किया गया। साहित्य मंडली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। आकाशवाणी भोपाल में कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट एवं मुख्य अतिथि लेखक फिल्म समीक्षक पत्रकार एवं लेखक अजीत राय मुख्य वक्ता के रुप में विशेष रुप से उपस्थित थे । कुलगुरु श्री तिवारी ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित साहित्य के आयोजन की प्रशंसा करते हुए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि पुस्तकों के अध्ययन से जीवन बदल जाता है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने विषय की पुस्तकों के साथ-साथ साहित्य की पुस्तकों का भी अध्ययन करना चाहिए । कुलगुरु ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी मौलिकता बचाकर रखें। मुख्य अतिथि राजेश भट्ट ने कहा कि शब्दों और लेखनी के के माध्यम से आप कहीं भी पहुंच सकते हैं। मुख्य वक्ता अजीत राय ने विद्यार्थियों से कहा कि नए समय को समझना होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शब्दों के लिए समझौते नहीं करने वाले अमर होते हैं। श्री राय ने कहा कि समाजीकरण में भारतीय सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है। कार्यक्रम के अगले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, प्रो. दिवाकर शुक्ल एवं स्वदेश ज्योति के सलाहकार संपादक प्रो. शिवकुमार विवेक मौजूद रहे, जिन्होंने साहित्य और पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न पहलुओं को दर्शाने की कोशिश की । रामचरित मानस की प्रासंगिता पर मानस भवन के अध्यक्ष

रघुनंदन शर्मा, जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने गहराइयों से अपने विचारों को रखते हुए विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। संचालन अभिलाषा सुमन ने किया। पत्रकारिता विश्वविद्यालय में साहित्य मंडली द्वारा पुस्तकों पर पर चर्चा की गई। इस विशेष सत्र में भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ल मुख्य ने मुख्य व के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। संचालन कार्तिकेय पांडे ने किया।अगले सत्र में साहित्य और शक्ति विषय पर विशेष परिचर्चा में डीन अकादमिक डॉ. पी. शशिकला, पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी और सप्तवर्णी कला - साहित्य सृजन शोधपीठ की निदेशक डॉ. विनय षड़ंगी राजाराम ने अपने विचार व्यक्त किए । वक्ताओं ने कहा कि नारी को किसी परिभाषा में समेटने की कोशिश ही उसकी स्वतंत्रता के खिलाफ है। साहित्य तभी शक्तिशाली बनता है जब वह नारी की अपनी आवाज़ को अभिव्यक्त करने का माध्यम बनता है । कार्यक्रम के सबसे अंतिम पड़ाव में कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता कवि मुदित श्रीवास्तव ने कविता और रचनात्मकता को लेकर चर्चा की और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को भी काव्य लिखने के लिए प्रेरित किया। शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी, विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

भारतीय सहारा हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश /

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सृजन 3.0 का शुभारंभ

■ भारतीय सहारा

भोपाल (रावेंद्र मिश्रा)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में सृजन 3.0 का आयोजन किया गया। साहित्य मंडली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की । आकाशवाणी भोपाल में कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट एवं मुख्य अतिथि लेखक फिल्म समीक्षक पत्रकार एवं लेखक अजीत राय मुख्य वक्ता के रुप में विशेष रुप से उपस्थित थे ।

कुलगुरु श्री तिवारी ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित साहित्य के आयोजन की प्रशंसा करते हुए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि पुस्तकों के अध्ययन से जीवन बदल जाता है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने विषय की पुस्तकों के साथ-साथ साहित्य की पुस्तकों का भी अध्ययन करना चाहिए । कुलगुरु ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी मौलिकता बचाकर रखें । मुख्य अतिथि राजेश भट्ट ने कहा कि शब्दों और लेखनी के के माध्यम से आप कहीं भी पहुंच सकते हैं। मुख्य वक्ता अजीत राय ने विद्यार्थियों से कहा कि नए समय को समझना होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शब्दों के लिए समझौते नहीं करने वाले अमर होते हैं। श्री राय ने कहा कि समाजीकरण में भारतीय सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है।

कार्यक्रम के अगले सत्र में वरिष्ठ यू पत्रकार जयराम शुक्ल, प्रो. दिवाकर शुक्ल एवं स्वदेश ज्योति के सलाहकार संपादक प्रो. शिवकुमार विवेक मौजूद रहे, जिन्होंने साहित्य और पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न पहलुओं को दशार्ने की कोशिश की । रामचरित मानस की प्रासंगिता पर मानस भवन के अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने गहराइयों से अपने विचारों को रखते हुए विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। संचालन अभिलाषा सुमन ने किया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में साहित्य मंडली द्वारा पुस्तकों पर पर चर्चा की गई। इस विशेष सत्र में भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ल मुख्य ने मुख्य व के रूप में अपने विचार व्यक्त किए । संचालन कार्तिकेय पांडे ने किया।अगले सत्र में साहित्य और शक्ति विषय पर विशेष परिचर्चा में डीन अकादमिक डॉ. पी. शशिकला, पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी और सप्तवर्णी कला - साहित्य सृजन शोधपीठ की निदेशक डॉ. विनय षड़ंगी राजाराम ने अपने विचार व्यक्त किए । वक्ताओं ने कहा कि नारी को किसी परिभाषा में समेटने की कोशिश ही उसकी स्वतंत्रता के खिलाफ है । साहित्य तभी शक्तिशाली बनता है जब वह नारी की अपनी आवाज को अभिव्यक्त करने का माध्यम बनता है । कार्यक्रम के सबसे अंतिम पड़ाव में कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता कवि मुदित श्रीवास्तव ने कविता और रचनात्मकता को लेकर चर्चा की और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को भी काव्य लिखने के लिए प्रेरित किया। शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी, विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

वर्ष-22 ■ अंक-263
पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00
भोपाल
■ शुक्रवार ■ 25 अप्रैल 2025
वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत्-2082
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
inmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सृजन 3.0 का हुआ शुभारंभ

समय जगत, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में सृजन 3.0 का आयोजन किया गया। साहित्य मंडली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। आकाशवाणी भोपाल में कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट एवं मुख्य अतिथि लेखक फिल्म समीक्षक पत्रकार एवं लेखक अजीत राय मुख्य वक्ता के रुप में विशेष रुप से उपस्थित थे। कुलगुरु श्री तिवारी ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित साहित्य के आयोजन की प्रशंसा करते हुए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुस्तकों के अध्ययन से जीवन बदल जाता है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने विषय की पुस्तकों के साथ-साथ साहित्य की पुस्तकों का भी अध्ययन करना चाहिए। कुलगुरु ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी मौलिकता बचाकर रखें। मुख्य अतिथि राजेश भट्ट ने कहा कि शब्दों और लेखनी के के माध्यम से आप कहीं भी पहुंच सकते हैं। मुख्य वक्ता अजीत राय ने विद्यार्थियों से कहा कि नए समय को समझना होगा। इसके साथ ही उन्होंने

कहा कि शब्दों के लिए समझौते नहीं करने वाले अमर होते हैं। श्री राय ने कहा कि समाजीकरण में भारतीय सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है। कार्यक्रम के अगले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, प्रो. दिवाकर शुक्ल एवं स्वदेश ज्योति के सलाहकार संपादक प्रो. शिवकुमार विवेक मौजूद रहे, जिन्होंने साहित्य और पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न पहलुओं को दर्शाने की कोशिश की।